

कूबबत इल्ला बिल्लाह" का प्रथम शब्द, मुसलमानों का विश्वास है कि इसके उच्चारण से भूतप्रेत या शैतान की बाधा नष्ट हो जाती है।

लिंग पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु, बात या काम की पहचान का साधन, लक्षण 2. वर्ग या समूह का प्रतिनिधित्व करने वाला तत्व, पदार्थ या बात, प्रतीक 3. न्याय शास्त्र के अनुसार कोई ऐसी बात या चीज जिससे किसी प्रकार की घटना बात या तथ्य का ठीक-ठाक अनुमान, कल्पना या प्रमाण उपलब्ध होता है, साधक हेतु जैसे- आग की पहचान का साधक हेतु धुआँ या धूम उसका लिंग है जहाँ धुआँ होता है वहाँ आग होती है 4. स्त्रीत्व या पुरुषत्व 5. पुरुष की जननेन्द्रिय, उपस्थ या शिश्न 6. शिव का अंडाकार विग्रह-शिवलिंग व्या. एक व्याकरणिक कोटि जिसके द्वारा प्राणियों से संबंधित स्त्रीत्व या पुरुषत्व का निर्धारण होता है और जो शब्दों में उनके रूप तथा अर्थ के आधार पर निश्चित होता है जैसे- 'पति' पुल्लिंग तथा 'पत्नी' स्त्रीलिंग संज्ञा है 7. संस्कृत भाषा में नपुंसकलिंग शब्द भी होते हैं, हिंदी में सर्वनाम, विशेषण तथा क्रियापद भी लिंगानुसार होते हैं यथा- "सुनैना जाती है सुरेश जाता है", "मित्र शब्द उभयलिंगी है" 8. मीमांसा के अनुसार उपक्रम, उपसंहार अभ्यास, अपूर्वता, अर्थवाद और उपपत्ति इन छह लक्षणों से लिंग निर्धारण होता है 9. लिंगायतों की शिवलिंग की मूर्ति वाली छोटी डिबिया 10. देवता की प्रतिमा या विग्रह 11. वेदांत के अंतर्गत मृत्यु के बाद शरीर से बाहर निकलने वाला आत्मा का छोटा रूप 12. लिंग पुराण।

लिंगता स्त्री. (तत्.) लिंगयुक्त होने की अवस्था का भाव।

लिंगदेह पुं. (तत्.) लिंग-शरीर।

लिंग-देही पुं. (तत्.) मन, वचन और कर्म से एक रूप व्यक्ति।

लिंगधर पुं. (तत्.) 1. लिंगी या चिह्न धारण करने वाला व्यक्ति 2. ढोंगी आदमी

लिंगन पुं. (तत्.) आलिंगन।

लिंगनाश पुं. (तत्.) किसी लिंग, लक्षण या चिह्न की पहचान न हो सकने की अवस्था 2. अंधेरा, अंधकार 3. अंधता, अंधपन।

लिंग पुराण पुं. (तत्.) शिव और उनके लिंग की पूजा के माहात्म्य का वर्णन करने वाला, अठारह पुराणों में से एक प्रसिद्ध पुराण।

लिंग पूजक पुं. (तत्.) लिंग की पूजा करने वाला व्यक्ति, वह व्यक्ति जिसकी लिंग पूजा में श्रद्धा होने से वह उसकी सतत पूजा-अर्चना करता हो। phallus worshipper

लिंगपूजा स्त्री. (तत्.) प्राचीन अनेक जातियों में प्रचलित पुरुष की जननेन्द्रिय के रूप को जनन शक्ति के प्रतीक के रूप में पूजने की प्रथा जो वर्तमान समय में भी शिवलिंग की पूजा के रूप में प्रचलित है विशेष. प्राचीन काल में यूनान, मिस्र, रोम, जापान तथा अरब आदि देशों में पुरुष की जननेन्द्रिय को जगत का मूल कारण माना जाता था और तभी लिंग को ईश्वर या संसार के रचयिता के रूप में पूजा जाता था, भारत में भी वैदिक काल में अनेक जनजातियों में लिंग पूजा प्रचलित थी। phallus worship, phallicism

लिंगवर्धिनी स्त्री. (तत्.) आयु. औषधीय वनस्पति, अपामार्ग, चिचड़ा।

लिंगवस्ति पुं. (तत्.) आयु. लिंगार्श नामक रोग, अर्श (बवासीर) का एक प्रकार।

लिंगवान वि. (तत्.) 1. लिंग अर्थात् चिह्न से युक्त; लक्षणों वाला 2. लिंगायत (शैव) संप्रदाय या उसका अनुयायी।

लिंगविपर्यय पुं. (तत्.) लिंगपरिवर्तन।

लिंगवृत्ति वि. (तत्.) जिसकी जीविका लिंग या चिह्न धारण करने के आधार पर चलती है, पाखंडी।

लिंगवेदी स्त्री. (तत्.) वह पीठ जिस पर शिवलिंग स्थपित होता है, अरघा, जलधरी।